संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में कोरोना वायरस से नहीं हुई दूसरी मौत, मेडिकल जांच रिपोर्ट से चला पता

नई दिल्ली, 25 मार्च (ए)। दिल्ली के एक नामी अस्पताल में मंगलवार को हुई दो लोगों की मौत को लेकर बुधवार को खुलासा हुआ है कि दूसरी मौत कोरोना वायरस के संक्रमण से नहीं हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दूसरे बुधवार को इस बाबत बयान जारी कर कहा कि दिल्ली में मंगलवार को दूसरी मौत कथित तौर पर कोरोना वायरस के संक्रमण से नहीं हुई थी। मंत्रालय ने साफ किया कि इलाज के दौरान जान गंवाने वाला शख्स कोरोना से पीड़ित नहीं हुआ, यह उनकी मेडिकल रिपोर्ट से पता चला है।बता दें कि दो लोग दिल्ली के राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती थे, जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दिल्ली में कोरोना से दो लोगों की मौत की पुष्टि की थी। इसके बाद दिल्ली में कुल कोरोना मामलों की संख्या 30 पहुंच गई। वहीं, दिल्ली स्वास्थ्य विभाग की डीजी नूतन मुंडेजा ने इस बाबत मंगलवार को ही बयान दिया था कि मृतक का सैंपल जांच के लिए भेजा हुआ है। रिपोर्ट से ही स्पष्ट होगा कि उसकी मौत कोरोना से हुई है या नहीं। बता दें कि आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में अब तक 30 मामले सामने आए हैं और कुल 162 लोगों को इलाज चल रहा है, इनमें अन्य राज्यों के साथ विदेश से भारत लौटे लोग भी शामिल हैं।

दिल्ली में क्वारंटाइन घरों से निकले कचरे से बनाई जाएगी बिजली

नई दिल्ली, 25 मार्च (ए)। कोरोना के चलते कूड़े में बढ़ते असुरक्षित बायोमेडिकल वेस्ट के निष्पादन की अलग से व्यवस्था न होने का मुद्दा उठाए जाने के बाद दक्षिणी दिल्ली नगर निगम हरकत में आ गया है। निगम ने इसके लिए अलग टीम बनाकर क्वारंटाइन किए गए घरों से सुरक्षित तरीके से कूड़ा निष्पादन की व्यवस्था की है। इसके लिए हर जोन में विशेष टीम बनाई गई है जो केवल उन्ही घरों से कूड़ा उठाएगी जिन घरों में लोगों को क्वारंटाइन किया गया है। इस कूड़े को ओखला स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट ले जाया जाएगा जहां बिजली बनाई जाएगी। पूर्वी और उत्तरी निगम भी इसकी तैयारी कर रहे हैं।इसके लिए विशेष तौर पर हर जोन में एक-एक ऑटो टिपर लगाया गया है। दिल्ली सरकार से ऐसे लोगों की सूचना लेकर निगम की टीम क्वारंटाइन किए गए घरों से कूड़ा एकत्रित करेगी। साथ ही निगम अधिकारियों का वाट्सएप ग्रुप बनाया है जिसमें रोज क्वारंटाइन किए गए लोगों सूची को अपडेट की जाएगी। निगमायुक्त ज्ञानेश भारती ने बताया कि जो ऑटो टिपर क्वारंटाइन किए घरों से कचरा एकत्रित करेगा उसे ओखला स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट ले जाया जाएगा। यहां अन्य कचरा वाहनों के बजाय इस वाहन को प्राथमिकता दी जाएगी। इसका वेस्ट टू एनर्जी प्लांट के जरिए निष्पादन किया जाएगा। ऑटो टिपर पर तैनात कर्मचारियों की सुरक्षा के मद्देनजर सभी को पीपीई किट प्रदान की गई है। पीपीई किट में सोडियम हाइपोक्लोराइड सोल्यूशन, लिक्विड साबुन, सैनिटाइजर, ग्लब्स आदि शामिल हैं। कर्मचारियों को यह भी बताया गया है कि उठाए गए कूड़े के थैलों को सोडियम हाइपोक्लोराइड सोल्यूशन से सैनिटाइज करने के बाद ही निष्पादन को भेजें। बता दें कि दैनिक जागरण ने 19 मार्च के संस्करण में तीनों नगर निगमों पर इस कूड़े के निस्तारण की व्यवस्था न होने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। जिसमें इसे नागरिकों के लिए खतरा बताया था।

कश्मीरी छात्रों ने घरेलू एयरलाइंस फ्लाइट के कैंसल होने पर किया विरोध

बेंगलुरु, 25 मार्च (ए)। देशभर में कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के चलते भारत में सभी घरेलू एयरलाइंस के निलंबन होने के बाद लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अब कर्नाटक में इसका विरोध हो रहा है। इस फैसले के एक दिन बाद बेंगलुरु एयरपोर्ट पर कश्मीरी छात्रों के रुप ने इस फैसले के खिलाफ प्रोटेस्ट किया। इस दौरान एक छात्र ने कहा कि, हमने कश्मीर जाने के लिए 27 और 28 मार्च की टिकट बुक करवाई है, लेकिन भारत सरकार द्वारा सभी फ्लाइटों को रद करने के बाद अब हम क्या करेंवाता दें कि कोरोना वायरस से बचने के लिए देशभर में लॉकडाउन किया गया है। इसके साथ ही इस संक्रमण को रोकने के लिए सभी को एहतियात बरतने के निर्देश दे दिए हैं। बार, सिनेमा, मॉल और सभी एयरलाइंस को भी 31 मार्च तक निलंबित कर दिया गया है। ऐसे में देशभर में कर्फ्यू जैसी स्थिति पैदा हो गई है।

होम क्वारंटाइन का उल्लंघन करने वालों की होगी गिरफ्तारी : बेंगलुरु पुलिस

बेंगलुरु, 25 मार्च (ए)। बेंगलुरु में सीनियर पुलिस अधिकारी ने ऐलान किया कि शहर में होम क्वारंटाइन का उल्लंघन करने वालों को गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस ने कहा, गिरफ्तारी के बाद इन्हें सरकार के पास क्वारंटाइन किया जाएगा। बेंगलुरु सिटी पुलिस कमिश्नर भास्कर राव ने कहा, '100 पर कॉल करें, उल्लंघन करने वाले लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा और इन्हें सरकार के क्वारंटाइन में भेज दिया जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में सड़कों पर पुलिस का पहरा, पूर्वी दिल्ली में आरएएफ तैनात

नई दिल्ली, 25 मार्च (ए)। पूरे देश में लॉकडाउन होने के बाद पूर्वी दिल्ली में सड़कों पर अर्द्धसैनिक बल ने मोर्चा संभाला हुआ है। अर्द्धसैनिक बल के जवान ही लोगों से पूछताछ के बाद जाने दे रहे हैं। दरअसल लॉकडाउन होने के बाद भी कुछ लोग सड़क पर निकल रहे हैं। ऐसे में पुलिस और अर्द्धसैनिक बल के जवान सिर्फ उन्हें लोगों को जाने दे रहे हैं जो किसी जरुरी काम से जा रहे हैं। दिल्ली में बिना वजह किसी को सड़क पर निकलने नहीं दिया जा रहा है। सीलमपुर चौक पर आरएएफ के जवान बड़ी संख्या में तैनात किए गए हैं। बताया जा रहा है कि पूर्वी दिल्ली में बुधवार को अर्द्धसैनिक बलों की तैनात कर सड़क पर बिना वजह निकलने वाले लोगों के साथ सख्ती से पेश आने को कहा गया है। उधर, निजामुद्दीन में भी पुलिस के साथ सुरक्षा बल के जवान सड़कों पर तैनात किए गए हैं। सड़क पर निकलने वालों से पूछताछ की जा रही है।

दिल्ली में लॉकडाउन के दौरान कर्नाट प्लेस में आने वाले सभी लोगों की चेकिंग की जा रही है। बिना वजह घर से बाहर निकले लोगों को वापस भेजा जा रहा है। लॉकडाउन के दौरान गुरुग्राम में भी सड़कों पर पुलिस तैनात है। गुरुग्राम के भूतेश्वर मंदिर के पास भी पुलिस नाका लगातार आने-जाने वाले लोगों की जांच की जा रही है। बता दें कि पीएम मोदी ने मंगलवार रात आठ बजे पूरे देश में आधी रात से लॉकडाउन करने की घोषणा की थी। दिल्ली पुलिस, ट्रैफिक पुलिस और अर्द्धसैनिक बल के जवान लोगों से घरों से बाहर नहीं निकलने की अपील कर रहे हैं। जो लोग लॉकडाउन का उल्लंघन कर रहे हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

घर से निकलने पर 299 लोगों पर मुकदमा दर्ज: इससे पहले मंगलवार को दिल्ली में आवश्यक कार्य के बिना घरों से निकलने व धारा 144 का उल्लंघन करने वाले 299 लोगों के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। इनके खिलाफ सरकारी आदेश का पालन न करने की धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। यह धारा जमानती है, इसलिए थाने से सभी को जमानत मिल गई। इसके अलावा बगैर जरुरी काम के घरों से बाहर निकलने वाले 5,146 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। इनमें 1,018 लोगों के वाहनों को जब्त कर लिया गया। यह आंकड़ा शाम पांच बजे तक है।

दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त जनसंपर्क अधिकारी एसीपी अनिल मित्तल के मुताबिक दिल्ली पुलिस लगातार लोगों से अपील कर रही है कि कोरोना जैसी खतरनाक बीमारी से बचने के लिए वे अपने-अपने घरों में ही कैद रहें। बहुत ही जरुरी हो तभी घरों से बाहर निकलें। हालांकि, लॉकडाउन के दूसरे दिन मजबूरन पुलिस को सख्ती करनी पड़ी। इस बीच बिना वजह घर से निकलने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने सड़कों पर जगह-जगह बैरिकेड लगाने के साथ ही कॉलोनियों व सोसाइटियों के प्रवेश द्वारों पर भी बैरिकेड लगाए। सिर्फ उन्हीं लोगों को सड़कों पर जाने दिया गया, जिन्हें सरकार ने अनुमति दी हुई है। सोमवार को लॉकडाउन का जमकर उल्लंघन हुआ था। इसलिए मंगलवार को पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए कुछ जगहों पर हल्का बल प्रयोग करके लोगों को सड़कों से भगाया। इसके साथ ही जो दुकानें अनावश्यक रूप से खुली हुई थीं, उन्हें बंद करवा दिया गया।

न्यूनतम कर्मचारियों के साथ करें काम

नई दिल्ली, 25 मार्च (ए)। कोरोना वायरस का प्रसार रोकने के लिए कार्मिक मंत्रालय ने केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों को एक आदेश जारी कर न्यूनतम कर्मचारियों के साथ काम करने के लिए कहा है। केंद्र सरकार अपने सभी विभागों के कर्मचारियों को पहले ही घर से काम करने की अनुमति दे चुकी है। सिर्फ आवश्यक सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों को इससे बाहर रखा गया है। कार्मिक मंत्रालय के आदेश में कहा गया है, घर से काम कर रहे अधिकारियों को हर समय टेलीफोन और संचार के इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर उपलब्ध रहना चाहिए। किसी आवश्यक कार्य के लिए अगर उन्हें बुलाया जाए तभी कार्यालय आना चाहिए।इसके मुताबिक, विभागाध्यक्ष आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को शामिल करते हुए एक रोस्टर बना सकते हैं जिनमें सलाहकार, अनुबंधित और आउटसोर्स कर्मचारी भी शामिल होंगे। सिर्फ ऐसे कर्मचारियों को 23 मार्च से 31 मार्च तक कार्यालय आने के लिए भी कहा जा सकता है।

आवश्यक सामान की कमी को लेकर अफवाहों पर अंकुश लगाए राज्य

नई दिल्ली,25 मार्च (ए)। देशभर में 21 दिन के लॉकडाउन (बंद) के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकारों से खाद्य पदार्थ और अन्य आवश्यक सामान की कमी के बारे में फैल रही अफवाहों पर अंकुश लगाने की खातिर कदम उठाने के लिए कहा है। सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और डीजीपी को भेजे पत्र में मंत्रालय ने उनसे आशंकाओं को दूर करने और शांति एवं सामंजस्य बनाए रखने के लिए कार्रवाई करने तथा लोगों को खाद्य पदार्थ, दवाओं और अन्य आवश्यक सामान की उपलब्धता के बारे में सूचित करने के लिए कहा है। मंत्रालय ने कहा कि आपदा प्रबंधन कानून–2005 (बंद के लिए) के तहत जारी आदेश के मद्देनजर खाद्य तथा अन्य आवश्यक सेवाओं एवं सामान के अभाव समेत अन्य अफवाहें फैलने की आशंका है। पत्र में कहा गया है कि इस संदर्भ में यह आवश्यक है कि सभी राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रशासन सभी उपलब्ध माध्यमों के जरिए यह प्रचारित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं कि खाद्य पदार्थ, मेडिकल और अन्य आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति बरकरार रहेगी और देश में पर्याप्त सामान उपलब्ध हैं। मंत्रालय ने मुख्य सचिवों और डीजीपी से देश में कोविड-19 वैश्विक महामारी को रोकने के लिए 21 दिन की बंद की अवधि के दौरान उठाए जाने वाले कदमों पर जारी दिशा निर्देशों के प्रावधानों और सूचना का प्रचार करने का भी अनुरोध किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 21 दिन के बंद की घोषणा की थी। मोदी की घोषणा के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राष्ट्रव्यापी बंद लागू करने के लिए सख्त दिशा निर्देश जारी किए थे। मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार, सभी सरकारी कार्यालय, राज्य और केन्द्र शासित प्रदेशों की सरकारों के कार्यालय, स्वायत्त संस्थान, सार्वजनिक निगम, वाणिज्यिक, निजी, औद्योगिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। इनमें कहा गया है कि हालांकि उचित मूल्य की दुकानें और भोजन, किराने का सामान, फल, सब्जियां, डेयरी, मांस, मछली, पशु चारे से संबंधित दुकानें खुली रहेंगी। दिशा निर्देशों के अनुसार, बैंक, बीमा कार्यालय, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया खुले रहेंगे। इसमें ई-कॉमर्स के जरिए खाद्य पदार्थ, दवाइयां, चिकित्सीय उपकरण मुहैया कराने को भी बंद से छूट है। इसमें कहा गया है, कि सभी प्राधिकारी यह संज्ञान में लें कि कड़ा प्रतिबंध लोगों की आवाजाही पर है न कि आवश्यक सामानों पर।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कोरोना वायरस से लड़ने के लिए 21 दिन की लॉकडाउन (बंद) अवधि के दौरान निजी सुरक्षा एजेंसियों से सुरक्षाकर्मियों को छंटनी या उनके वेतन में कटौती न करने के लिए कहा है। सेंट्रल एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट सिक्योरिटी इंडस्ट्री, सीआईआई, फिक्की, एसोचैम तथा अन्य को लिखे पत्र में गृह मंत्रालय ने कहा कि भारत कोविड-19 के मद्देनजर पैदा हुई अभूतपूर्व स्थिति का सामना कर रहा है। इससे आर्थिक गतिविधि पर भी असर पड़ा है और ऐसी आशंका है कि दुकानों, मॉल्स तथा अन्य प्रतिष्ठान बंद होने के कारण निजी सुरक्षा एजेंसियों पर भी असर पड़ा हो। मंत्रालय ने अपने पत्र में कहा कि यह समय निजी सुरक्षा एजेंसियों के लिए मानवीय रुख अपनाने और अपने कर्मचारियों तथा स्टाफ के सदस्यों को छंटनी तथा आय में कटौती से बचाने का है।अतः इंडस्ट्री से अपने कार्यबल के प्रति हमदर्दी रखने और यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया जाता है कि इन कामगारों को ड्यूटी पर माना जाए और उसके अनुसार उनका वेतन देना जारी रखा जाए। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक महामारी से लड़ने के लिए मंगलवार को 21 दिन के बंद की घोषणा की थी।

अब मदुरै में 54 साल के मरीज ने दम तोड़ा; 15 दिन में 11 मौतें, इनमें से 8 को पहले से डायबिटीज थी

नई दिल्ली,25 मार्च (ए)। देश में कोरोनावायरस की स्थिति गंभीर होती जा रही है। संक्रमितों का आंकड़ा 500 पार कर गया। 15 दिन में संक्रमण से 11 लोगों की जान जा चुकी है। बुधवार सुबह मदुरै में 54 वर्षीय कोरोना संक्रमित मरीज की मौत हो गई। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री सी विजय भास्कर ने कहा कि मरीज को लंबे समय से डायबिटीज और ब्लड्प्रेशर की समस्या थी। तमिलनाडु में कोरोना से यह पहली मौत है। इससे पहले मंगलवार को महाराष्ट्र में एक संक्रमित की मौत हुई थी। यहां 63 साल के बुजुर्ग की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। उन्हें भी पहले से हाई ब्लडप्रेशर की समस्या थी। अब तक जिन 11 लोगों की जान गई है, उनमें से 8 को शुगर या ब्लडप्रेशर की समस्या थी।

अब तक 50 से कम उम्र वाले केवल एक व्यक्ति की जान गई: सोमवार को बंगाल में 57 साल के अधेड़ और हिमाचल में अमेरिका से लौटे निर्वासित तिब्बती की मौत हो गई। इससे पहले रविवार को मुंबई में 63 साल के एक मरीज की मौत हो गई थी। इसी दिन पटना में 38 वर्षीय मरीज सैफ की मौत हो गई। सैफ डायबिटीज का मरीज था, उसकी किडनी भी खराब थी। 50 से कम उम्र में मौत का यह पहला केस है। मुंगेर का रहने वाला सैफ हाल ही में कतर से आया था। 20 मार्च को एम्स में भर्ती हुआ था।

महाराष्ट्र में एक और व्यक्ति की मौत हो गई। यहां 63 वर्षीय बुजुर्ग की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें पहले से हाई ब्लडप्रेशर की समस्या थी। अब तक जिन 10 लोगों की जान गई है, उनमें से 7 को शुगर या ब्लडप्रेशर की समस्या थी।

महाराष्ट्र में तीन मौतें, तीनों मुंबई के मामले: महाराष्ट्र में पिछले आठ दिन में कोरोना पॉजिटिव तीन लोगों की मौत हुई है। तीनों मामले मुंबई के हैं। तीनों ने ही मुंबई के कस्तूरबा हॉस्पिटल में दम तोड़ा। सबसे पहले 17 मार्च को 64 साल के कोरोना पॉजिटिव बुजुर्ग की मौत हुई। 22 मार्च को 69 साल के कोरोना संदिग्ध बुजुर्ग की मौत हुई। बाद में उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई।

वुहान में बस सेवा शुरू, 5 करोड़ लोगों पर 3 माह से था प्रतिबंध

बीजिंग/वुहान, 25 मार्च (ए)। कोरोना वायरस की जन्मस्थली वुहान में हालात अब सामान्य हो रहा है। चीन में विदेशों से आए, कोरोना वायरस संक्रमित लोगों के 47 नए मामले सामने आए हैं और इसी बीच इस घातक वैश्विक महामारी के केंद्र वुहान में नौ सप्ताह के लॉकडाउन (बंद) के बाद पहली बार बुधवार को शहर के भीतर बस सेवा शुरू की गई।

चीन ने मध्य हुबेई प्रांत में पांच करोड़ 60 लाख से अधिक लोगों पर तीन महीने से लागू बंद को हटाने का मंगलवार को फैसला किया। हालांकि, हुबेई प्रांत की राजधानी वुहान में लंबे समय से जारी बंद आठ अप्रैल को समाप्त होगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बताया कि हुबेई और वुहान में कोविड-19 का कोई नया मामला सामने नहीं आया, लेकिन शहर में चार लोगों की मौत होने से चीन में मृतक संख्या बढ़कर 3,281 हो गई।

चीन ने बुधवार को बताया कि चीनी मुख्यभूमि में घरेलू संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया। उसने बताया कि मंगलवार

को विदेशों से आए लोगों के कोविड-19 से संक्रमित होने के 47 नए मामले सामने आए और इसके साथ ही चीन में इस प्रकार के मामलों की संख्या बढ़कर 474 हो गई। चीनी विदेश मंत्रालय ने बताया कि इन मामलों में अधिकतर लोग विदेशों से लौटे चीनी नागरिक हैं। इसके अलावा मंगलवार को इस वायरस के कारण चार और लोगों की मौत हो गई और 33 नए संदिग्ध मामले सामने आए। एनएचसी ने बताया कि चीन में कुल पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर मंगलवार को 81,218 हो गई। इनमें से 3,281 लोगों की मौत हो गई है, 4,287 मरीजों का उपचार चल रहा है और 73,650 मरीजों को स्वस्थ होने के बाद अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई है। उसने बताया कि 134 लोगों के अब भी वायरस से संक्रमित होने का संदेह है। हांगकांग में मंगलवार तक 386 मामले, मकाऊ में 26 और ताइवान में 216 मामले दर्ज किए गए। इस बीच सरकारी संवाद समिति शिन्हुआ ने बताया कि 23 जनवरी के बाद से पहली बार वुहान में बस सेवा आरंभ हुई। बस होकोउ रेलवे स्टेशन पर अपने अंडे से बुधवार को सुबह पांच बजकर 25 मिनट पर रवाना हुई। नगरपालिका परिवहन ब्यूरो ने बताया कि शहर में बुधवार से 117 बस मार्गों को पुनः बहाल किया गया जो कि शहर की कुल परिवहन क्षमता का करीब 30 प्रतिशत है।

अमेरिका में 20 खरब डॉलर के विशेष पैकेज का ऐलान, बेरोजगारों को मिलेगी सीधे मदद

वाशिंगटन, 25 मार्च (ए)। अमेरिका ने कोरोना वायरस के प्रकोप से निपटने के लिए एक बड़े आर्थिक पैकेज का ऐलान किया है। लॉकडाउन के कारण व्यवसाय और स्वास्थ्य प्रणाली को पटरी पर लाने के लिए 20 खरब डॉलर विशेष पैकेज का ऐलान किया है। अमेरिकी सीनेट के दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों ने इसको हरी झंडी दे दी है। अभूतपूर्व आर्थिक बचाव पैकेज अधिकांश अमेरिकियों को प्रत्यक्ष भुगतान देगा। श्रमिकों को आर्थिक तंगी से उबारा जाएगा। इससे बेरोजगारी से निपटने और छोटे व्यवसायों को उबारने में मदद मिलेगी। अस्पतालों को भी महत्वपूर्ण मदद मिलेगी।

अभूतपूर्व आर्थिक बचाव पैकेज में व्यक्ति की सहायता राशि सीधे जनता के पास जाएगी। इसके तहत प्रति वयस्क नागरिक को 1,200 डॉलर का एक बार भुगतान किया जाएगा। इसके अलावा प्रत्येक बच्चे को 500 डॉलर मिलेगा। कोविड-19 रोगियों का उपचार कर रहे अस्पतालों के लिए एक बड़ी राशि हासिल होगी। डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर कहा कि यह पैकेज पहले से प्रस्तावित तीन महीनों के बजाय चार महीने तक श्रमिकों के वेतन देने में मदद करेगा।

स्वास्थ्य के लिए सबसे गंभीर खतरों से उबारेगा: एक सीनेटर ने कहा कि यह पैकेज अमेरिकियों के लिए स्वास्थ्य के लिए सबसे गंभीर खतरों से उबारेगा। सीनेटर ने कहा कि अमेरिका के लिए यह सबसे खतरनाक दौर है।

यह अमेरिकी समृद्धि के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। यह सबसे गंभीर खतरा है। महामंदी के बाद देश एक गंभीर संकट से जूझ रहा है। इन सबके बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि हम आशा करते हैं कि जल्द ही देश सामान्य स्थिति में लौट आएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले हफ्तों में कई लोगों को काम पर वापस बुलाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ताजा हालात को देखते हुए 12 अप्रैल तक देश को सामान्य स्थिति में लौटने की उम्मीद है।

अफगानिस्तान में एक गुरुद्वारे में मौजूद सिखों पर बंदूकधारियों का हमला, 11 की मौत

काबुल, 25 मार्च (ए)। अफगानिस्तान में एक सिख धार्मिक सभा में जुटे लोगों पर कुछ बंदूकधारियों ने हमला कर दिया, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई है। ये सभी लोग काबुल में एक धार्मिक समागम के लिए जमा हुए थे। हमले के बाद पुलिस ने तुरंत कार्यवाही शुरू कर दी और घटनास्थल पर पहुंच गई।

टोलोन्यूज के मुताबिक इस हमले में 11 लोगों की मौत हो गई है जबकि 11 अन्य घायल हो गए हैं। यह हमला काबुल के पीडी1 इलाके के सिख धार्मिक क्षेत्र धर्मशाला में हुआ है। एक ट्वीट में बताया गया है कि अभी भी तीन हमलावर सुरक्षाकर्मियों के साथ लड़ाई कर रहे हैं। विदेशी सैनिकों ने भी धर्मशाला में हमले पर प्रतिक्रिया दी है।काबुल पुलिस ने बताया कि गुरुद्वारे से 11 बच्चों को बचा लिया गया है। अफगानिस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि पुलिस ने बुधवार के हमले का तुरंत जवाब दिया और उस स्थल पर थे, जहां अभी शूटिंग चल रही है। सिख पूजा के स्थान को गुटवारा के नाम से जाना जाता है। एक सिख लेमिकर नरींद्र सिंह खालसा के मुताबिक गुरुद्वारे में पूजा करने वाले एक शख्स ने हमले की जानकारी दी और मदद के लिए कहा। बताया जा रहा है कि हमले के वक्त गुरुद्वारे में 150 लोग मौजूद थे। उन्होंने बताया कि इस हमले में 11 लोगों की जान चली गई। खालसा ने बताया कि पुलिस हमलावरों को पकड़ने की कोशिश कर रही है। आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता तारीक आरियान ने बताया कि अफगानी सेना ने गुरुद्वारे की पहली मंजिल खाली करवा ली है, जहां लघाती हमलावर लड़ाई कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि बिल्डिंग में फंसे काफी लोगों को बचा लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस्लामिक स्टेट ने हमले की जिम्मेदारी ली है। सुरक्षाकर्मियों ने इलाके की घेराबंदी कर ली है। वहीं तालिबान के प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने ट्वीट करके कहा है कि तालिबान इस हमले में शामिल नहीं हैं। इस महीने की शुरुआत में ही इस्लामिक स्टेट ने काबुल में मौजूद अल्पसंख्यक शिया मुसलमानों के एक समूह पर हमला किया, जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। हाल के वर्षों में सिखों और हिंदुओं ने बड़ी संख्या में भारत में शरण ली है, यहां सिखों और हिंदुओं की बड़ी आबादी रहती है। जुलाई 2018 में इस्लामिक स्टेट द्वारा सिखों और हिंदुओं के एक काफिले पर हमला किया गया था। ये लोग अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी से मिलने जलालाबाद जा रहे थे।